सामाजिक विज्ञान

कक्षा – 9

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढे एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → **App** की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता **Profile** का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

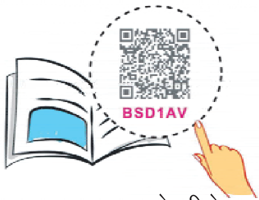

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

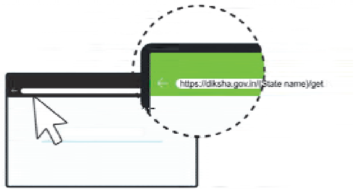

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष : 2024

© : संचालक, एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

मार्गदर्शन : एकलव्य, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन

संपादन / सहयोग : सी.एन. सुब्रमण्यम, अरविन्द सरदाना, प्रो. सच्चिदानंद सिन्हा, डॉ. वाय. जी. जोशी, डॉ. एम.वी. श्रीनिवासन, एलेक्स एम. जॉर्ज, डॉ. अरूण कुमार सिन्हा, डॉ. कृष्णनन्दन प्रसाद, डॉ. के.के. अग्रवाल, डॉ. सुखदेव राम साहू, डॉ. एल.के. तिवारी, राममूर्ति शर्मा

समन्वयक : डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

विषय–समन्वयक : ख्रीस्टीना बखला, एस.के. वर्मा

लेखन समूह : लालजी मिश्रा, शैल चन्द्राकर, वर्षा ठाकुर, टी.पी. सिंह, स्व. पूर्णानन्द पाण्डेय, कृष्णानन्द पाण्डेय, आरती जैन, विजया दयाल, डॉ. नरेन्द्र पर्वत, आर. आर.साहू, डॉ. खिलेश्वरी साव, कमलनारायण कोसरिया, डॉ. सुषमा बर्मन, अनुराग ओझा, मारिया रंगवाला, अमृतलाल साहू, मुरलीधर चक्रधारी, अकलेश नवलाकर, बी.पी.सिंह, राजेश शर्मा, नवीन जायसवाल, उर्वशी नांगिया, रश्मि पालिवाल, अमित सिंह।

Y8HDZ6

आवरण पृष्ठ एवं ले–आउट : राकेश खत्री, रेखराज चौरागड़े, कमलेश यादव

टंकण : मो. हासिर, दुलेश्वर साहू, सत्य प्रकाश साहू, नीतू कन्नौजिया

चित्रांकन : डॉ. राकेश आर्य

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

शिक्षा व्यक्ति के ज्ञान और कौशल का द्वार है जिससे उसका विकास होता है और वह आगे बढ़ने में समर्थ होता है। शिक्षा के माध्यमों में पाठ्यपुस्तकों की भूमिका सर्वोपरि है। यह व्यक्ति को सीखने, जानने, अनुभव लेने, ज्ञानार्जन और दक्षता हासिल करने का अवसर देती है। इसी परिपेक्ष्य में कक्षा नवमी के पाठ्यक्रम को परिमार्जित कर यह पुस्तक लिखी गई है जो आपके सम्मुख है।

पाठ में प्रयोगात्मक और परिवेशीय आयामों को सम्मिलित किया गया है ताकि विद्यार्थी मौजूदा परिवेश के प्रति संवेदनशील बनें। पाठ्यपुस्तक में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के चार शैक्षिक स्तंभों की प्रमुख अवधारणाओं को रेखांकित किया गया है जो कि विद्यार्थियों के रचनात्मक ज्ञान एवं कौशल को बढ़ावा देते हैं।

सामाजिक विज्ञान समाज में लैंगिक समानता, विविधता, सामाजिक और मानवीय मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करता है। यह विषय इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल और अर्थशास्त्र जैसी अलग–अलग इकाईयों के रूप में न होकर इसका अध्ययन समग्र सामाजिक विज्ञान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस पाठ्यपुस्तक को तैयार करने में परिषद् के सुधि–विशेषज्ञों, राज्य के लेखक समूह, एकलव्य और अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन का भरपूर अकादमिक सहयोग प्राप्त हुआ। इस प्रयास में विभिन्न संस्थानों के प्रबुद्ध प्राध्यापकों का विषयवस्तु के सम्पादन तथा मानचित्र उपलब्ध कराने में विशेष योगदान रहा। स्थानीय विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी विषयगत अवधारणाओं को स्पष्ट करने में लेखन समूह का उन्मुखीकरण किया। छ.ग. चिप्स (Chhattisgarh Infotech Promotion Society) के अधिकारियों और सहयोगियों ने भी परिषद् को मानचित्र उपलब्ध कराने में सहयोग किया।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

पुस्तक लेखन एवं प्रकाशन से जुड़े समस्त सहयोगियों की कर्तव्यनिष्ठा व कठोर परिश्रम की मैं प्रशंसा करता हूँ और उन्हें साधुवाद भी देता हूँ। मुझे विश्वास है कि पाठकगण को यह पुस्तक अपने समाज को समझने में दिशा प्रदान करेगी और विद्यार्थियों के लिए रूचिकर भी होगी। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की अपेक्षाओं के अनुरूप पाठ्यपुस्तक लिखने का यथासंभव प्रयास किया गया है फिर भी विद्वानों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को विषयवस्तु में यदि कोई खामी नजर आए तो वे तत्काल अपने विचारों/सुझावों से परिषद् को अवगत कराएँ। आपके सुझाव हमारा पथ प्रदर्शन करेंगे।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों के लिए

इस पुस्तक के माध्यम से ज्यादा प्रभावी एवं सार्थक शिक्षण संभव हो इसलिए शिक्षकों से हमारा आग्रह है कि वे विभिन्न प्रश्नों पर कक्षा में सार्थक चर्चा कराएँ। प्रत्येक छात्र–छात्रा को अपने–अपने अनुभव व विचारों को प्रस्तुत करने का मौका दें। उन्हें किताब में लिखी बातों पर विमर्श करने तथा उनपर प्रश्न उठाने तथा उनसे भिन्न विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें। उनके अनुभव, विचारों और प्रश्नों से जुड़कर ही यह पुस्तक पूर्ण होगी अन्यथा अधूरी रह जाएगी।

विद्यार्थियों को पुस्तक से इतर जानकारी खोजने के लिए प्रोत्साहित करें। इन्टरनेट, पुस्तकालयों, पत्र–पत्रिकाओं, समाचार–पत्रों, शिक्षकों, पालकों और प्रबुद्धजनों के माध्यम से सतत् नई जानकारी जुटाना, नए सवाल उठाना, अपने अनुभवों के आधार पर उनके उत्तरों को खोजना और परखना सामाजिक विज्ञान अध्ययन के लिए आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से कक्षा नवमी के पाठ्यक्रम में बदलाव कर सामाजिक विज्ञान की यह पाठ्यपुस्तक लिखी गई है। इसे सरल, सुबोध और रोचक बनाने की कोशिश की गई है। इसमें शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को सीखने और सिखाने के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माता होता है अतः यह जरूरी है कि वह विद्यार्थियों के लिए योग्य पथप्रदर्शक का कार्य करें।

समाज का शैक्षिक स्तर तभी ऊपर उठ पाएगा जब शिक्षक स्वयं उच्च प्रशिक्षित एवं अध्यापन कला में दक्ष होंगे। अतः शिक्षकों को नवीन ज्ञान, शैक्षिक संकल्पना और परिवेशीय घटनाओं के अन्तर्संबंधों को समझना होगा क्योंकि स्वयं के सीखने से न केवल बौद्धिक क्षमता का विकास होता है वरन् विद्यार्थियों को भी इससे प्रेरणा मिलती है।

विद्यार्थियों के अंतर्निहित ज्ञान और कौशल को प्रकट करने के लिए सोद्देश्य विचारात्मक प्रश्न, परियोजना कार्य, शैक्षिक भ्रमण, प्रादर्श–निर्माण, जैसे– अभ्यासों को पाठ्यपुस्तक में पर्याप्त स्थान दिया गया है जो विद्यार्थियों के ज्ञान को सहज ही नहीं व्यवहारिक भी बना देते हैं। दृश्य–श्रव्य उपकरणों का उपयोग, चार्ट, सर्वे, छायाचित्रों का संयोजन आज की आधुनिक शिक्षा–प्रणाली में भी प्रभावी सिद्ध हो रहा है। प्रौद्योगिकी के इस युग में भी शिक्षा के लिए शिक्षक जैसे जीवंत माध्यम का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अतः पाठ्यपुस्तक की सार्थकता शिक्षक द्वारा अध्यापन में स्वकौशलों और पाठ्यसामग्रियों के समुचित उपयोग से ही संभव है।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

क्र.	पाठ	पृष्ठ संख्या
1.	मानचित्रण और मानचित्र का अध्ययन	02–13
2.	भारत – एक सामान्य परिचय	14–65
	2.1 भारतीय उपमहाद्वीप का प्राकृतिक स्वरूप	
	2.1.1 उत्तर तथा उत्तर–पूर्वी पर्वत माला	
	2.1.2 उत्तर का विशाल मैदान	
	2.1.3 प्रायद्वीपीय पठार	
	2.1.4 समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह	
	2.1.5 भारतीय मरुस्थल	
3.	भारत की जलवायु	66–75
4.	भारत की नदियाँ एवं अपवाह प्रणाली	76–83
5.	प्राकृतिक वनस्पति एवं वनाश्रित समुदाय	84–94
6.	यूरोप और भारत में आधुनिक संस्कृति का उदय (पूर्व आधुनिक काल सन् 1300–1800)	96–112
7.	धर्मसुधार और प्रबोधन (सन् 1300–1800)	113–124
8.	लोकतांत्रिक एवं राष्ट्रवादी क्रान्तियाँ (सन् 1600–1900)	125–142
9.	औद्योगिक क्रान्ति और सामाजिक बदलाव (सन् 1750–1900)	143–157
10.	उपनिवेशवाद	158–178

क्र.	पाठ	पृष्ठ संख्या
11.	लोकतंत्र का विचार एवं विस्तार	180–189
12.	लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताएँ	190–197
13.	अधिकार	198–210
14.	जेण्डर समानता और महिला अधिकार	211–224
15.	आर्थिक क्रियाओं की समझ	226–236
16.	भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग – 1	237–245
17.	भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग – 2	246–256
18.	उत्पादन कैसे होता है?	257–269
19.	संदर्भ मानचित्र	270–288

सामाजिक विज्ञान – इकाईवार विभाजन

इकाई क्र.	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	आबंटित कालखंड
1.	1. मानचित्रण और मानचित्र का अध्ययन	4	12
	2. यूरोप और भारत में आधुनिक संस्कृति का उदय पूर्व आधुनिक काल (सन् 1300–1800)	4	9
2.	1. आर्थिक क्रियाओं की समझ	6	15
	2. भारत एक सामान्य परिचय		
	3. भारतीय उपमहाद्वीप का स्वरूप	2	6
	4. उत्तर तथा उत्तर–पूर्वी पर्वतमाला		
3.	1. लोकतंत्र का विचार एवं विस्तार और उसकी प्रमुख विशेषताएँ	8	17
	2. उत्तर का विशाल मैदान	1	4
4.	1. भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप	6	15
	2. धर्म सुधार और प्रबोधन (सन् 1300–1800)	4	10
5.	1. प्रायद्वीपीय पठार, समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह, भारतीय मरूस्थल	3	10
	2. लोकतांत्रिक और राष्ट्रवादी क्रांतियाँ	4	10
6.	1. अधिकार	5	12
	2. भारत की जलवायु	4	12

सामाजिक विज्ञान – इकाईवार विभाजन

इकाई क्र.	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	आबंटित कालखंड
7.	1. औद्योगिक क्रांति और सामाजिक बदलाव	4	10
	2. भारत की नदियाँ और अपवाह प्रणाली	4	6
8.	1. जेण्डर समानता और महिला अधिकार	5	12
	2. प्राकृतिक वनस्पति एवं वनाश्रित समुदाय	2	6
9.	उपनिवेशवाद	4	10
10.	उत्पादन कैसे होता है?	5	10
योग	सैद्धांतिक	75	182
	परियोजना कार्य – भूगोल	7	वार्षिक गतिविधि
	इतिहास	6	
	राजनीति विज्ञान	6	
	अर्थशास्त्र	6	
	योग	25	
	कुल योग	100	

भूगोल

पिछली यादें

आपको पता होगा कि हमने पिछली कक्षाओं (कक्षा 6 से 8) में कई महाद्वीपों, देशों व प्रदेशों के बारे में पढ़ा है। ये सभी अलग–अलग विशेषताओं के कारण एक दूसरे से भिन्न हैं – कहीं ज्यादा ठंड तो कहीं ज्यादा गर्मी, कहीं मुसलाधार वर्षा तो कहीं सूखा। आप अपनी याद्दाश्त, मित्र या शिक्षक के सहयोग से नीचे दिए गए वाक्यांशों के सामने बाक्स से सही उत्तर चुनकर उन जगहों, देशों या प्रदेशों के नाम लिखिए–

1. छः माह का दिन व छः माह की रात ....
2. सालभर गर्मी और सालभर वर्षा का क्षेत्र ....
3. अत्यधिक सघन एवं सदाबहार वन ....
4. चौड़ीपत्ती वाले पतझड़ वन ....
5. लम्बी व नुकीली पत्तियों वाले पेड़ ....
6. सीढ़ीनुमा खेत ....
7. सालभर हल्की–हल्की रिमझिम बारिश ....
8. रेनडियर, कैरिबू, सील, वालरस का प्रदेश ....
9. संसार में सर्वाधिक वर्षा का स्थान ....
10. शीतोष्ण घास के मैदान का नाम ....
11. सोने और हीरे की खदानें ....
12. महाद्वीप का नाम, जहाँ से कर्क रेखा, भूमध्य रेखा व मकर रेखा गुजरती है ....
13. लम्बे–लम्बे घास के मैदान जिसमें हाथी भी छिप जाता है ....
14. भारत में सबसे कम वर्षा का क्षेत्र ....
15. शीत ऋतु के महीनों में वर्षा तथा ग्रीष्म ऋतु में सूखा ....
16. एफिल टॉवर का देश ....
17. वन जहाँ गर्मी के पहले पेड़ के पत्ते झड़ जाते हैं ....
18. मीलों तक एक ही फसल ....

भूमध्य रेखीय प्रदेश, देवदार, साल–सागौन, ध्रुवीय प्रदेश, पहाड़ी–पर्वतीय क्षेत्र, भूमध्य रेखीय वन, टुंड्रा प्रदेश, फ्रांस, अफ्रीका, मासिनराम, सवाना प्रदेश, भूमध्य सागरीय प्रदेश, उत्तर अमेरिका, पतझड़ वन, थार का मरूस्थल, प्रेयरीज़, मानसूनी वन, दक्षिण अफ्रीका